पायलट ने नीरज उधवानी के घर जाकर श्रद्धांजलि दी

जयपुर निवासी उधवानी की पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकवादी हमले में मृत्यु हुई थी

पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने पहलगाम आतंकी हमले में जान गंवाने वाले जयपुर निवासी नीरज उधवानी के निवास पर उनको श्रद्धांजलि दी एवं परिजनों को ढ ांढ स बंधाया।

- **कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने कहा कि भारत सरकार को पूरी ताकत के साथ आतंकवादी हमले का जवाब देना चाहिये। पूरा विपक्ष और पूरा देश सरकार के साथ है।**

जयपुर, 27 अप्रैल। पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने पहलगाम हमले में जान गंवाने वाले जयपुर निवासी नीरज उधवानी के निवास पर उनको श्रद्धांजलि अर्पित की एवं परिजनों को ढ ांढ स बंधाया। मीडिया से रूबरू होते हुए उन्होंने कहा कि पहलगाम में जो घटना हुई है वो कोई सामान्य घटना नहीं है। इसका मुंहतोड़ जवाब देना ही पड़ेगा। यह कोई आम आतंकी घटना नहीं है। जिस तरह से इसको अंजाम दिया गया है वो मंसूबे बिल्कुल स्पष्ट हैं। इस मसले को आगे कैसे ले जाना है और इसपर क्या कारवाई करनी है यह मुद्दा हम लोगों ने, कांग्रेस पार्टी ने वर्किंग कमेटी में रखा था। भारत सरकार को अपनी पूरी ताकत के साथ जवाब देना पड़ेगा। पूरे देश में इसपर एक राय है।

उन्होंने कहा, पक्ष विपक्ष हमारे देश के लिए है, आक्रमण बाहर से हो रहा है और हमारे अस्तित्व को चुनौती दी जा रही है, आतंकियों के जरिए तो उनको तो उसी जबान में जवाब देना चाहिए। जब पहले इस प्रकार भारत की संसद पर आक्रमण किया गया था उस समय वाजपेई जी प्रधानमंत्री थे और सोनिया गांधी जी नेता प्रतिपक्ष थीं। उन्होंने सदन में खड़े होकर कहा था, हम पूरा विपक्ष, पूरा देश सरकार के साथ है, पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए। वो ही हम लोगों ने दुबारा दोहराया है । एक बार दुबारा वो चुनौती सामने आई है। लेकिन कैसे क्या कब करना है, यह सरकार बेहतर समझती होगी। लेकिन हम मानते हैं कि पूरे देश में आज एक आम भावना है कि पाकिस्तान ने हमेशा आतंकवादी गतिविधियों से जो घाव देश को दिए हैं उसका समापन करना पड़ेगा। पायलट ने कहा, इस दु:ख की घड़ी में पूरा देश उन परिवारों के साथ खड़ा है, जिन्होंने अपने लोगों को खोया है। जिल लोगों ने कोशिश की है कि देश में दरार पड़े, मजहब के नाम पर, और यही उनके मंसूबे हैं, हमें उनको मुंहतोड़ जबाव देना पड़ेगा। इस संकल्प के लिए पूरा देश, सभी राजनैतिक पार्टी, हर व्यक्ति एकजुट है। जिन्होंने अपने खोए हैं वो वापिस तो नहीं आ सकते हैं, लेकिन, इतना हम कर सकते हैं कि भविष्य में इस प्रकार की घटना करने का कोई साहस नहीं करे।

देश की एकता दिखाने के लिये संसद का विशेष सत्र बुलायें

नई दिल्ली, 27 अप्रैल। निर्दलीय राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने रविवार को राजनीतिक दलों से विशेष आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सभी राजनीतिक दल पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर मई में जल्द से जल्द संसद का विशेष सत्र बुलाने का सरकार से आग्रह करें। सिब्बल ने कहा, 25 अप्रैल को मैंने सुझाव दिया था कि इस दुख की घड़ी में देश की एकता दिखाने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाया जाना चाहिए। मैं सभी राजनीतिक दलों से आग्रह करता हूं कि वे सरकार से मई में जल्द से जल्द ऐसा सत्र बुलाने का आग्रह करें।

इससे पहले कपिल सिब्बल ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संसद का विशेष सत्र बुलाने और पहलगाम आतंकी हमले की निंदा करते हुए प्रस्ताव पारित करने का आग्रह किया था, ताकि दुनिया को यह संदेश दिया जा सके कि देश एकजुट है। सिब्बल ने सरकार को विभिन्न महत्वपूर्ण देशों में सत्तारूढ़ और विपक्षी सांसदों के प्रतिनिधिमंडल भेजने का भी सुझाव दिया था, ताकि पाकिस्तान पर कूटनीतिक दबाव बनाया जा सके।

हाई कोर्ट ने जनहित याचिका खारिज कर डेढ़ लाख रू. का हर्जाना लगाया

बिजली विभाग के सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता ने जनहित याचिका में उत्पादन निगम व एनटीपीसी के संयुक्त उद्यम को रद्द करने की माँग की थी

- **अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता ने केवल अपनी कल्पना के आधार पर यह दावा किया है कि इस तरह की व्यवस्था से उत्पादन लागत बढ़ सकती है।**

जयपुर, 27 अप्रैल। राजस्थान हाईकोर्ट ने बिजली विभाग के एक सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता पर 1.50 लाख रुपए का जुर्माना लगाते हुए उसकी जनहित याचिका को खारिज कर दिया। जनहित याचिका में मु. अभियंता ने राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड और नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के संयुक्त उद्यम को रद्द करने की मांग की थी।

राजस्थान के मुख्य न्यायाधीश एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस आनंद शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश अजय चतुर्वेदी की जनहित याचिका पर दिए। अदालत ने इस याचिका को स्वार्थ प्रेरित और कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग बताया। याचिकाकर्ता का तर्क था कि बिजली उत्पादन के क्षेत्र में उनके अनुभव के आधार पर यह संयुक्त उद्यम भविष्य में बिजली की महंगी दरों की ओर ले जाएगा, जो जनहित के खिलाफ है।

सुनवाई के दौरान खंडपीठ ने देखा कि यह संयुक्त उद्यम छबड़ा थर्मल पावर प्लांट के आसपास कई परियोजनाओं को लागू करने के उद्देश्य से किया गया, जिससे अतिरिक्त उत्पादन इकाइयाँ स्थापित की जा सकें और उत्पादन लागत घटे। अदालत ने कहा कि मामले में सिर्फ इस आधार पर हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता कि याचिकाकर्ता बिजली विभाग में अभियंता रहे हैं। याचिकाकर्ता ने केवल अपनी कल्पना के आधार पर यह दावा किया है कि इस तरह की व्यवस्था से उत्पादन लागत बढ़ सकती है। दर निर्धारण कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनकी जांच इस न्यायालय द्वारा नहीं की जा सकती। अदालत ने यह भी कहा कि यह जनहित याचिका कुछ कर्मचारी संघों के हित को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रेरित लगती है, जो इस संयुक्त उद्यम का विरोध कर रहे हैं, जैसा कि रिकॉर्ड पर उपलब्ध अभ्यावेदनों से स्पष्ट है। न्यायालय ने कहा कि यह जनहित याचिका न्यायालय के समय और संसाधनों की बर्बादी है और कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग है। इसलिए इसे हर्जाने के साथ खारिज किया जाना चाहिए। इसके साथ ही अदालत ने जनहित याचिका खारिज कर याचिकाकर्ता पर 1.50 लाख रुपये का हर्जाना लगाया है।

मोटर साइकिल को बचाने में वैन कुएं में गिरी, 10 की मौत

वैन व मोटर साइकिल टकराकर खेत में बने बिना मुंडेर के कुएं में जा गिरीं

- **वैन में सवार 10 लोग नीमच जिले में माता मंदिर दर्शन के लिये जा रहे थे, जब यह हादसा हुआ।**
- **वैन में बैठे लोगों में से 8, मोटर साइकिल चालक तथा रेस्क्यू करने के लिये कुएं में उतरे एक व्यक्ति की मौत हो गई।**

मंदसौर, 27 अप्रैल। मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले के नारायणगढ़ थाना क्षेत्र में आज दोपहर को एक वैन मोटर साइकिल सवार को बचाने के प्रयास में उससे टकराकर सड़क किनारे खेत में बने एक बिना मुंडेर के कुएं में गिर गयी, जिससे मोटर साइकिल सवार सहित दस लोगों की मौत हो गयी।

पुलिस सूत्रों के अनुसार वैन सवार, लगभग दस लोग नीमच जिले में स्थित माता मंदिर में दर्शन के लिए जा रहे थे। तभी नारायणगढ़ थाना क्षेत्र के काचरिया चौपाटी के समीप सामने से आ रहे मोटर साइकिल सवार को बचाने के प्रयास में वैन उससे टकरा गयी और इसके बाद अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में बने एक बिना मुंडेर के कुएं में गिर गयी। दुर्घटना में वैन सवार आठ लोगों के अलावा मोटर साइकिल सवार एक व्यक्ति तथा रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान कुएं में गए एक व्यक्ति सहित कुल दस लोगों की मौत हो गयी।

दुर्घटना में चार लोग घायल हुए हैं, जिन्हें जिला अस्पताल लाया गया है। घटना के बाद जिला एवं पुलिस प्रशासन के आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। मृतकों में दो लोग मंदसौर के निवासी हैं, जबकि वैन सवार सभी मृतक रतलाम के रहने वाले बताएं गए हैं।

दुर्घटना में चार लोग घायल हुए हैं, जिन्हें जिला अस्पताल लाया गया है। घटना के बाद जिला एवं पुलिस प्रशासन के आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। राहत एवं बचाव कार्य लगातार जारी है।

उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा पूरे समय मौके पर ही रहे। इनके अलावा कलेक्टर अदिति गर्ग, एसपी, एडिशनल एसपी, एसडीओपी आदि भी मौके पर मौजूद थे।

डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा ने बताया कि इस हादसे में कुल 13 लोग शामिल थे, जिनमें दो बच्चे भी थे। पहले बच्चों को निकालकर अस्पताल भेजा गया। गाड़ी बड़ी मुश्किल से बाहर लाई गई है। कुएं में जहरीली गैस के कारण, बचाने गए मनोहर सिंह की भी मौत हुई है। उन्होंने 2-3 लोगों को बाहर निकाला था। मुझे जैसे ही घटना के बारे में पता चला, मैं सीधा यहीं आ गया। जिले के सारे अधिकारी भी यहीं हैं।

''युद्ध की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

निंदनीय और बचकाना है। उन्हें वास्तविकता को समझना चाहिए और ऐसे समय में ऐसी टिप्पणी नहीं करनी चाहिए, जब पूरा देश एकजुट खड़ा है। यह मुख्यमंत्री के तौर पर उनके पद के लिए ठीक नहीं है। मैं इसकी निंदा करता हूं। उन्हें देश के लोगों से माफी मांगनी चाहिए और अपने तौर-तरीके सुधारने चाहिए।

'मैं नहीं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सेना की हालत खराब है। मुजफ्फराबाद में पाकिस्तानी सेना का बड़ा मूवमेंट देखा गया है। खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट के मुताबिक लोअर नीलम वैली राजमार्ग पर सामान्य दिनों के मुकाबले ट्रकों की गतिविधि कई गुना बढ़ी हुई है। भारतीय सेना की नजर से बचने के लिए ज्यादातर गतिविधियाँ सिविल ट्रकों में हो रही है।

एनआईए ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को घटते देखा था। एनआईए की टीमें आतंकवादियों की कार्यप्रणाली के सुराग के लिए प्रवेश और निकास बिंदुओं की बारीकी से जांच कर रही हैं। सबूत जुटाने के लिए फॉरेंसिक और अन्य विशेषज्ञों की मदद से टीमें पूरे इलाके की गहन जांच कर रही हैं।

भारतीय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भारतीय नौसेना ने एक्स पर लिखा, "भारतीय नौसेना के नवीनतम स्वदेशी निर्देशित मिसाइल विध्वंसक आईएनएस सूरत ने समुद्र में लक्ष्य को सफलतापूर्वक निशाना बनाया, जो हमारी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने में एक और मील का पत्थर है।"

पाकिस्तान ने तीसरी रात भी सीमा पर गोलीबारी की

भारतीय सेना ने गोलीबारी का प्रभावी जवाब दिया, किसी के हताहत होने की खबर नहीं है

- **सेना के सूत्रों के अनुसार, 26 व 27 अप्रेल की रात को कश्मीर के नौगाम सैक्टर तथा बोनियार उरी सैक्टर पर पाक सेना ने दो घंटे छोटे हथियारों से गोलीबारी की।**
- **पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले के बाद, भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के दौरान पाक सेना ने संघर्ष विराम का उल्लंघन किया।**

श्रीनगर, 27 अप्रैल। पाकिस्तानी सेना की चौकियों ने कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार बिना उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी कर संघर्षविराम का उल्लंघन किया है।

सेना के सूत्रों ने रविवार को बताया कि लगातार तीसरी रात गोलीबारी की गई है।

उन्होंने बताया कि कुपवाड़ा जिले के नौगाम सेक्टर और बारामूला जिले के बोनियार सेक्टर से गोलीबारी की खबर है। सेना ने गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया।

सेना के सूत्रों ने कहा, 26 से 27 अप्रैल 2025 की रात को पाकिस्तान सेना की चौकियों ने तुतमारी गली (नौगाम सेक्टर) और रामपुर (बोनियार उरी) सेक्टरों के सामने के इलाकों में नियंत्रण रेखा के पार बिना उकसावे के गोलीबारी की और हमारे जवानों ने गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया।

सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि नौगाम सेक्टर में करीब दो घंटे तक भीषण गोलीबारी हुई। गोलीबारी रात करीब एक बजे शुरू हुई। इस दौरान किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

यह लगातार तीसरी रात है जब पाकिस्तानी सेना ने संघर्ष विराम का उल्लंघन किया और नियंत्रण रेखा के कई स्थानों पर छोटे हथियारों से गोलीबारी की।

गौरतलब है कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए बर्बर आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ ते तनाव में नियंत्रण रेखा पर गोलीबारी हुई है। इस हमले में 25 पर्यटक और एक स्थानीय निवासी की जान चली गई थी।

प.बंगाल में गोरखाओं की केन्द्र शासित प्रदेश की माँग ने जोर पकड़ा

गोरखा पार्टियों का कहना है कि 2019 से भाजपा को पूरा समर्थन दिया, पर उनकी माँगों पर गौर नहीं किया गया

- **गोरखालैंड राज्य निर्माण मोर्चा के अध्यक्ष दवा पाखरीन ने कहा कि गोरखा समाज अपने अधिकारों के लिये निर्णायक आंदोलन करेगा।**

दार्जिलिंग, 27 अप्रैल। पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग और आसपास के पहाड़ी क्षेत्रों में गोरखाओं के बीच एक बार फिर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है और उन्होंने अब केंद्र शासित प्रदेश (यूनियन टैरिटरी/यू.टी.) के गठन की मांग पर जोर देने का फैसला किया है।

गोरखा जनमुक्ति मोर्चा (जीजेएम), गोरखा राष्ट्रीय मुक्ति मोर्चा (जीएनएलएफ), गोरखालैंड राज्य निर्माण मोर्चा (जीएसएम) और क्रांतिकारी मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (आरसीएमपी) जैसे दलों ने अलग राज्य और गोरखाओं के हितों के मुद्दे पर नया आंदोलन छेड़ने के संकेत दिए हैं।

इन दलों का कहना है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 2009 से लेकर अब तक पहाड़ में अपना राजनीतिक प्रभाव बढ़ाया है, परंतु आज तक गोरखाओं की मूल मांगों को उचित सम्मान नहीं दिया गया। इन दलों ने आरोप लगाया कि भाजपा ने गोरखाओं को केवल राजनीतिक लाभ के लिए उपयोग किया, परंतु जमीनी स्तर पर उनकी समस्याओं के समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

गोरखालैंड राज्य निर्माण मोर्चा के अध्यक्ष दवा पाखरीन ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अब समय आ गया है कि गोरखा समाज एकजुट होकर अपने अधिकारों के लिए निर्णायक आंदोलन करें। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि यदि वास्तव में गोरखाओं के हितों की रक्षा करनी है, तो पहाड़ को 'केंद्र शासित प्रदेश' का दर्जा दिया जाए।

इसके साथ ही कुछ दल पहाड़ को अनुसूचित जनजाति (एसटी) श्रेणी में शामिल करने और संविधान की छठी अनुसूची के तहत विशेष स्वायत्तता देने की भी मांग कर रहे हैं। परंतु इस पर भी व्यापक सहमति नहीं बन पाई है, और क्षेत्र में 1954 के एक्जाम एक्ट के समाप्त हो जाने के बाद कानूनी स्थिति भी बदल चुकी है।

दार्जिलिंग, कालिम्पोंग और आसपास के गोरखा बहुल इलाकों के लोगों में यह भावना बढ़ ती जा रही है कि जब तक इस क्षेत्र को विशेष संवैधानिक दर्जा या केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा नहीं दिया जाता, तब तक गोरखाओं के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक अधिकार सुरक्षित नहीं हो सकते।

राहुल गांधी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संजय गांधी मेमोरियल ट्रस्ट, नई दिल्ली, करता है। इस ट्रस्ट की अध्यक्ष सोनिया गांधी हैं, जबकि राहुल गांधी ट्रस्टी हैं। लोकसभा चुनाव के बाद राहुल पहली बार 30 अप्रैल को अमेठी आ रहे हैं। इससे पहले वे 17 मई 2024 को चुनावी जनसभा को संबोधित करने आए थे।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908